प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

God speaking

Man's creation and origin.
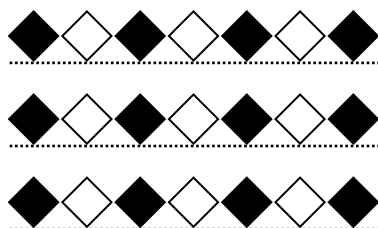
जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....First

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

God speaking :._

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Second

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Third

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Fourth

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Fifth

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

——⊱◈

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Sixth

Man's creation and origin.....

Al-Muminoon (23:12)

हमने मनुष्य को मिट्टी के सत से बनाया

And certainly did We create man from an extract of clay.

আমি মানুষকে মাটির সারাংশ থেকে সৃষ্টি করেছি।

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है, Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

Al-Muminoon (23:13)

फिर हमने उसे एक सुरक्षित ठहरने की जगह टपकी हुई बूँद बनाकर रखा

Then We placed him as a sperm-drop in a firm lodging.

অতঃপর আমি তাকে শুক্রবিন্দু রূপে এক সংরক্ষিত আধারে স্থাপন করেছি।

Al-Muminoon (23:14)

फिर हमने उस बूँद को लोथड़े का रूप दिया; फिर हमने उस लोथड़े को बोटी का रूप दिया; फिर हमने उन हड्डियों पर मांस चढाया; फिर हमने उसे एक दूसरा ही सर्जन रूप देकर खड़ा किया। अतः बहुत ही बरकतवाला है अल्लाह, सबसे उत्तम

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Eighth

স্রষ্টা!

Then We made the sperm-drop into a clinging clot, and We made the clot into a lump [of flesh], and We made [from] the lump, bones, and We covered the bones with flesh; then We developed him into another creation. So blessed is Allah, the best of creators.

এরপর আমি শুক্রবিন্দুকে জমাট রক্তরূপে সৃষ্টি করেছি, অতঃপর জমাট রক্তকে মাংসপিন্ডে পরিণত করেছি, এরপর সেই মাংসপিন্ড থেকে অস্থি সৃষ্টি করেছি, অতঃপর অস্থিকে মাংস দ্বারা আবৃত করেছি, অবশেষে তাকে নতুন রূপে দাঁড় করিয়েছি। নিপুণতম সৃষ্টিকর্তা আল্লাহ কত কল্যাণময়।

Al-Muminoon (23:15)

फिर तुम अवश्य मरनेवाले हो

Then indeed, after that you are to die.

এরপর তোমরা মৃত্যুবরণ করবে

Al-Muminoon (23:16)

फिर क़ियामत के दिन तुम निश्चय ही उठाए जाओगे

Then indeed you, on the Day of

Resurrection, will be resurrected.

অতঃপর কেয়ামতের দিন তোমরা পুনরুত্থিত হবে।

Al-Hajj (22:5)

ऐ लोगो! यदि तुम्हें दोबारा जी उठने के विषय में कोई सन्देह हो तो देखो, हमने तुम्हें मिट्टी से पैदा किया, फिर वीर्य से, फिर लोथड़े से, फिर माँस की बोटी से जो बनावट में पूर्ण दशा में भी होती है और अपूर्ण दशा में भी, ताकि हम तुमपर स्पष्ट कर दें और हम जिसे चाहते है एक नियत समय तक गर्भाशयों में ठहराए रखते है। फिर तुम्हें एक बच्चे के रूप में निकाल लाते है। फिर (तुम्हारा पालन-पोषण होता है) ताकि तुम अपनी युवावस्था को प्राप्त हो और तुममें से कोई तो पहले मर जाता है और कोई बुढ़ापे की जीर्ण अवस्था की ओर फेर दिया जाता है जिसके परिणामस्वरूप, जानने के पश्चात वह कुछ भी नहीं जानता। और तुम भूमि को देखते हो कि सूखी पड़ी है। फिर जहाँ हमने उसपर पानी बरसाया कि वह फबक उठी और वह उभर आई और उसने हर प्रकार की शोभायमान चीज़े उगाई

O People, if you should be in doubt
about the Resurrection, then [consider
that] indeed, We created you from dust,
then from a sperm-drop, then from a
clinging clot, and then from a lump of
flesh, formed and unformed - that We
may show you. And We settle in the
wombs whom We will for a specified
term, then We bring you out as a child,
and then [We develop you] that you may
reach your [time of] maturity. And

among you is he who is taken in [early] death, and among you is he who is returned to the most decrepit [old] age so that he knows, after [once having] knowledge, nothing. And you see the earth barren, but when We send down upon it rain, it quivers and swells and grows [something] of every beautiful kind.

হে লোকসকল! যদি তোমরা পুনরুত্থানের ব্যাপারে সন্দিগ্ধ হও, তবে (ভেবে দেখ-) আমি তোমাদেরকে মৃত্তিকা থেকে সৃষ্টি করেছি। এরপর বীর্য থেকে, এরপর জমাট রক্ত

থেকে, এরপর পূর্ণাকৃতিবিশিষ্ট ও অপূর্ণাকৃতিবিশিষ্ট মাংসপিন্ড থেকে, তোমাদের কাছে ব্যক্ত করার জন্যে। আর আমি এক নির্দিষ্ট কালের জন্যে মাতৃগর্ভে যা ইচ্ছা রেখে দেই, এরপর আমি তোমাদেরকে শিশু অবস্থায় বের করি; তারপর যাতে তোমরা যৌবনে পদার্পণ কর। তোমাদের মধ্যে কেউ কেউ মৃত্যুমুখে পতিত হয় এবং তোমাদের মধ্যে কাউকে নিষ্কর্মা বয়স পর্যন্ত পৌছানো হয়, যাতে সে জানার পর জ্ঞাত বিষয় সম্পর্কে সজ্ঞান থাকে না। তুমি ভূমিকে পতিত দেখতে পাও, অতঃপর আমি যখন তাতে বৃষ্টি বর্ষণ করি, তখন তা সতেজ ও স্ফীত হয়ে যায় এবং সর্বপ্রকার সুদৃশ্য উদ্ভিদ উৎপন্ন করে।

Al-Hajj (22:6)

यह इसलिए कि अल्लाह ही सत्य है और वह मुर्दों को जीवित करता है और उसे हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्ती है

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

That is because Allaahu ﷻ is the Truth and because He ﷻ gives life to the dead and because He ﷻ is over all things competent

এগুলো এ কারণে যে, আল্লাহ সত্য এবং তিনি মৃতকে জীবিত করেন এবং তিনি সবকিছুর উপর ক্ষমতাবান।

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Fifteenth

Man's Nature and Psychology--

......Man Follows Desires only.......

(Prophet Josef prayed):And I free not myself (from the blame).

Verily, the (human) self is inclined to evil, except when my Lord bestows His Mercy (upon whom He wills). Verily, my Lord is Oft-Forgiving, Most Merciful. (12:53)

****

[Chapter 4]

27. God intends to redeem you, but those who follow their desires want you to turn away utterly.

28. God intends to lighten your burden, for the human being was created weak.

****

[10:12] Whenever adversity touches the human being, he

prays to Us—reclining on his side, or sitting, or standing.

But when We have relieved his adversity from him, he goes away,

as though he had never called on Us for trouble that had afflicted him.

+++

Thus the deeds of the transgressors appear good to them.

****

[14:34] And He has given you something of all what you asked.

And if you were to count God's blessings, you would not be able to enumerate them.

The human being is unfair and ungrateful.

●●●Man is An Open Adversary to God

[16:4] He created the human being from a drop of fluid, yet he becomes an open adversary.

****

[17:11] The human being prays for evil as he prays for good. The human being is very hasty.

****

●●●Man is Not Thankful...

[17:67] When harm afflicts you at sea, those imaginary things, you pray , vanished ,....

......except for (Allaahu)Him.

But when He saves you to land, you turn away. The human being is ever thankless.

****

[17:83] When We bless the human being, he turns away and distances himself.

But when adversity touches him, he is in despair.

****

[43:15] ....Yet they turn one of His servants into a part of Him-(God) .....Man is clearly ungrateful.

****

As for man, when his Lord tries him by giving him honour and gifts, then he says (puffed up):

"My Lord has honoured me." (89:15)

But when He tries him, by straitening his means of life, he says:

"My Lord has humiliated me!"(89:16)

****

[Chapter 17]

99. Do they not consider that God, Who created the heavens and the earth, is Able to create the likes of them?

He has assigned for them a term, in which there is no doubt. But the wrongdoers persist in denying the truth.

●●●Man is Stingy and Argumentative...

100. Say, "If you possessed the treasuries of my Lord's mercy, you would have withheld them for fear of spending."

The human being has always been stingy.

****

[Chapter 92]

8. But as for him who is stingy and complacent.

9. And denies goodness.

10. We will ease his way towards difficulty.

[92:11] And his money will not avail him when he plummets. And what will his wealth benefit him when he goes down (in destruction). (92:11)

******

●●●Man is The Covetous:The Stingy.

And let not those who covetously withhold of that which Allah has bestowed on them of His Bounty (Wealth) think that it is good for them (and so they do not spend on others). Nay, it will be worse for them; the things which they covetously withheld shall be tied to their necks like a collar on the Day of Resurrection.

And to Allah belongs the heritage of the heavens and the earth; and Allah is Well-Acquainted with all that you do.

(3:180)

****

[Chapter 18]

53. And the sinners will see the Fire, and will realize that they will tumble into it. They will find no deliverance from it.

54. We have elaborated in this scripture, for the people every kind of example, but the human being is a most argumentative being.

****

[Chapter 25]

27. On that Day, the wrongdoer will bite his hands, and say, "If only I had followed the way with the Messenger.

28. Oh, woe to me; I wish I never took so-and-so for a friend.

29. He led me away from the Message after it had come to me;

for Satan has always been a betrayer of man."

****

[Chapter 33]

72. We offered the Trust to the heavens, and the earth, and the mountains; but they refused to bear it, and were apprehensive of it; but the human being accepted it. He was unfair and ignorant.

+++

73. God will punish the hypocrites, men and women, and the idolaters, men and women. And God will redeem the believers, men and women.

God is Ever-Forgiving, Most Merciful.

****

●●●Man is Hasty , Desparate , and Lacks Will Power

And indeed We made a covenant with Adam before, but he forgot, and We found on his part no firm will-power. (20:115)

******

Man is created of haste, I will show you My Ayat (torments, proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.). So ask Me not to hasten (them). (21:37)

****

[Chapter 41]

48. What they used to pray to before will forsake them,....

...and they will realize that they have no escape.

49. The human being never tires of praying for good things; but when adversity afflicts him, he despairs and loses hope.

[41:51] When We provide comfort for the human being, he withdraws and distances himself; but when adversity befalls him, he starts lengthy prayers.

****

[42:48] But if they turn away—We did not send you as a guardian over them. Your only duty is communication. Whenever We let man taste mercy from Us, he rejoices in it; but when misfortune befalls them, as a consequence of what their hands have perpetrated, man turns blasphemous.

****

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

[46:18] Those are they upon whom the sentence is justified, among the communities that have passed away before them, of jinn and humans. They are truly losers. [46:35] So be patient, as the messengers with resolve were patient, and do not be hasty regarding them.

On the Day when they witness what they are promised, it will seem as if they had lasted only for an hour of a day.

A proclamation: Will any be destroyed except the sinful people?

****

[50:16] We created the human being, and We know what his soul whispers to him. We are nearer to him than his jugular vein.

****

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Twenty-fifth

●●●Fore-Warnings and Consequences●●●

And incline not toward those who do wrong, lest the Fire should touch you, and you have no protectors other than Allah, nor you would then be helped.

(11:113)

****

[Chapter 53]

24. Or is the human being to have whatever he desires?

25. To God belong the Last and the First.

38. That no soul bears the burdens of another soul.

39. And that the human being attains only what he strives for.

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

40. And that his efforts will be witnessed.

****

[Chapter 59]

16. Like the devil, when he says to the human being, "Disbelieve." But when he has disbelieved, he (the devil) says, "I am innocent of you; I fear God, the Lord of the Worlds."

17. The ultimate end for both of them is the Fire, where they will dwell forever. Such is the requital for the wrongdoers.

****

[Chapter 75]

3. Does man think that We will not reassemble his bones?

4. Yes indeed; We are Able to reconstruct his fingertips.

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Twenty-seventh

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

5. But man wants to deny what is ahead of him.

8. And the moon is eclipsed.

9. And the sun and the moon are joined together.

10. On that Day, man will say, "Where is the escape?"

11. No indeed! There is no refuge.

. No indeed! There is no refuge.

12. To your Lord on that Day is the settlement.

13. On that Day man will be informed of everything he put forward, and everything he left behind.

14. And man will be evidence against himself.

15. Even as he presents his excuses.

[75:36] Does man think that he will be left without purpose?

****

[Chapter 79]

34. But when the Great Cataclysm arrives.

35. A Day when man will remember what he has

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Twenty-eighth

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

endeavored.

36. And Hell will be displayed to whoever sees.

****

[Chapter 80]

[80:17] Perish (oh! You)--man!

How thankless he is!

[Chapter 80]

[80:24] Let man consider his food.

25. We pour down water in abundance.

26. Then crack the soil open.

27. And grow in it grains.

28. And grapes and herbs.

29. And olives and dates.

30. And luscious gardens.

31. And fruits and vegetables.

32. Enjoyment for you, and for your livestock.

****

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Twenty-ninth

[Chapter 82]

5. Each soul will know what it has advanced, and what it has deferred.

6. O man! What deluded you concerning your Lord, the Most Generous?

****

[84:6] O man! You are laboring towards your Lord, and you will meet Him.

****

[Chapter 89]

15. As for man, whenever his Lord tests him, and honors him, and prospers him, he says, "My Lord has honored me."

16. But whenever He tests him, and restricts his livelihood for him, he says, "My Lord has insulted me."

[89:23] And on that Day, Hell is brought forward. On that Day, man will remember, but how will remembrance avail him?

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है, Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

****

[Chapter 90]

5. Does he think that no one has power over him?

6. He says, "I have used up so much money."

7. Does he think that no one sees him?

****

[Chapter 95]

4. We created man in the best design.

5. Then reduced him to the lowest of the low.

****

[Chapter 96]

5. Taught man what he never knew.

6. In fact, man oversteps all bounds.

7. When he considers himself exempt.

****

[Chapter 99]

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Thirty-first

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

In the name of God, the Gracious, the Merciful.

1. When the earth is shaken with its quake.

2. And the earth brings out its loads.

3. And man says, "What is the matter with it?"

4. On that Day, it will tell its tales.

5. For your Lord will have inspired it.

6. On that Day, the people will emerge in droves, to be shown their works.

7. Whoever has done an atom's weight of good will see it.

8. And whoever has done an atom's weight of evil will see it.

****

[100:6] Indeed, the human being is ungrateful to his Lord.

****

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Thirty-second

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

[Chapter 103]

In the name of God, the Gracious, the Merciful.

By Al-'Asr (the time). (103:1)

●●●Verily! Man is in loss, (103:2)

Except those who believe

(in Unitarian Monotheism)

and do Righteous Good Deeds, and

recommend one another to the Truth

(i.e. order one another to perform all kinds of

good deeds (Al-Ma'ruf) which Allah has

ordained,

and abstain from all kinds of sins

and evil deeds (Al-Munkar)

which Allah has forbidden),

and recommend one another to patience

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Thirty-third

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

(for the sufferings, harms, and injuries which one may encounter in God's Cause during preaching His religion of Monotheism, etc.).

(103:3)

✾ ❖ ❄ ✾ ❖ ✾ ❄ ❖ ✾ ❄ ❖ ✾

❈-❈-❈-❈-❈-❈-❈-❈
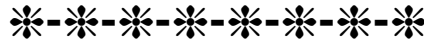
MOST Of The PEOPLE FOLLOW THEIR DESIRES, and ASSUMPTIONS only

They are the heedless

And surely, We have created many of the jinns and mankind for Hell.

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Thirty-fourth

They have hearts wherewith they understand not,

they have eyes wherewith they see not,

and they have ears wherewith they hear not (the truth).

They are like cattle, nay even more astray;

those! They are the heedless ones. (7:179)

*****

Many Follow Assumptions...

(- 10 : 36)

And most of them follow not except assumption. Indeed, assumption avails not against the truth at all. Indeed, Allah is Knowing of what they do.

*****

(- 6 : 116)

And if you obey most of those upon the earth, they will

mislead you from the way of Allah. They follow not except

assumption, and they are not but falsifying.

****

(- 41 : 23)

And that was your assumption which you assumed about

your Lord.

It has brought you to ruin, and you have become among

the losers."

*****

(- 48 : 12)

But you thought that the Messenger and the believers

would never return to their families, ever, and that was

made pleasing in your hearts.

And you assumed an assumption of evil and became a

people ruined."

*****

(- 49 : 11)

O you who have believed,

let not a people ridicule [another] people; perhaps they

may be better than them;

nor let women ridicule [other] women; perhaps they may

be better than them.

And do not insult one another and do not call each other

by [offensive] nicknames.

Wretched is the name of disobedience after [one's] faith.

And whoever does not repent - then it is those who are the

wrongdoers.

****

(- 49 : 12)

O you who have believed, avoid much [negative]

assumption.

Indeed, some assumption is sin.

And do not spy or backbite each other.

Would one of you like to eat the flesh of his brother when

dead? You would detest it.

And fear God; indeed, Allah is Accepting of repentance and Merciful.

****

(- 53 : 28)

And they have thereof no knowledge. They follow not except assumption, and indeed, assumption avails not against the truth at all.

****

The Vain invocations

(- 13 : 14)

To Him [God, alone] is the supplication of truth.

And those they call upon besides Him do not respond to them with a thing, except as one who stretches his hands toward water [from afar, calling it] to reach his mouth, but it will not reach it [thus].

And the supplication of the disbelievers is not but in error [i.e. futility].

****

(- 7 : 196)

Indeed, my protector is God, who has sent down the Book; and He is an ally to the righteous.

. (- 7 : 197)

And those you call upon besides Him are unable to help you, nor can they help themselves."

(- 7 : 198)

And if you invite them to guidance, they do not hear; and you see them looking at you while they do not see.

****

(- 22 : 73)

O people, an example is presented, so listen to it. Indeed, those you invoke besides God will never create [as much as] a fly, even if they gathered

together for that purpose.

And if the fly should steal away from them a [tiny]

thing, they could not recover it from him.

Weak are the pursuer and pursued.

*****

(- 7 : 199)

Take what is given ,(by GOD)freely, enjoin what is

good, and turn away from the ignorant.

*****

. (- 31 : 11)

This is the creation of God.

So show Me what those other than Him have

created. ?

Rather, the wrongdoers are in clear error.

*****

(- 32 : 10)

And they say, "When we are lost within the earth, will we

indeed be [recreated] in a new creation?"

Rather, they are, in [the matter of Resurrection and]

the meeting with their Lord, disbelievers.

*****

* (- 36 : 81)

Is not He who created the heavens and the earth

Able to create the likes of them?

Yes, [it is so]; and He is the Knowing Creator.

*****

(- 35 : 11)

And God created you from dust, then from a

sperm-drop; then He made you mates. And no

female conceives nor does she give birth except

with His knowledge. And no aged person is granted

[additional] life nor is his lifespan lessened but that

it is in a register. Indeed, that for God is easy.

*****

.(- 35 : 40)

Say, "Have you considered your 'partners' whom

you invoke besides God?

Show me what they have created from the earth, or

have they partnership [with Him] in the heavens?

Or

have We given them a book so they are [standing]

on evidence therefrom? [No], rather, the

wrongdoers do not promise each other except

delusion."

*****

.(- 36 : 77)

Does man not consider that We created him from a

[mere] sperm-drop - then at once he is a clear

adversary?

*****

[Chapter 86]

5. Let man consider what he was created from.

6. He was created from gushing liquid.

7. Issuing from between the backbone and the

breastbones.

****

(- 39 : 6)

He created you from one soul. Then He made from it its mate, and He produced for you from the grazing livestock eight mates.

He creates you in the wombs of your mothers, creation after creation, within three darknesses.

That is God, your Lord; to Him belongs dominion.

There is no deity except Him, so how are you averted?

****

(- 49 : 13)

O mankind, indeed We have created you from male and female and made you peoples and tribes that you may know one another +++

+++. Indeed, the most noble of you in the sight of God is the most righteous of you.

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

Indeed, God is Knowing and Acquainted.

❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖ ❖

❖ ❉-❉-❉-❉-❉-❉-❉-❉

A Majority of People follow their Fathers and Elders only

Recognize Your Lord as Appropriate to HiM

They have not appraised Allah with true appraisal.

Indeed, Allah is Powerful and Exalted in Might.

22 - 74

****

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Forty-fourth

They have not appraised Allah with true

appraisal,

while the Earth entirely will be [within]

His grip on the Day of Resurrection,

and the Heavens will be folded in His

right hand.

Exalted is He and high above what they

associate with Him.

39 - 67

****

And surely, We have created many of the

jinns and mankind for Hell. They have

hearts wherewith they understand not,

they have eyes wherewith they see not, and they have ears wherewith they hear not (the truth).

They are like cattle, nay even more astray; those!

They are the heedless ones. (7:179)

****

And [saying], "Be not haughty with Allah. Indeed, I (the Prophet) have come to you with clear authority.

44 - 19

****

(- 2 : 170)

And when it is said to them, "Follow what God has revealed,

" they say, "Rather, we will follow that which

we found our fathers doing." Even though their fathers understood nothing, nor were they guided?

******,◯****

(- 5 : 76)

Say, "Do you worship besides God that which holds for you no [power of] harm or benefit while it is God who is the Hearing, the Knowing?"

*******◯◯*****

(- 25 : 3)*

But they have taken besides Him gods which create nothing, while they are the created, and possess not for themselves any harm or benefit and possess not [power to cause] death or life or resurrection.

(..*. కదలలేవు ,మెదలలేవు ,పెదవి యిప్పి పలకలేవు....
అని ఎవరో కవి రాసినాడు..

...A famous poet said: : : They neither move nor they can open their mouths to utter something ... .*.)

****۞****

(- 22 : 73)

O people, an example is presented, so listen to it.

Indeed, those you invoke besides God will never create [as much as] a fly, even if they gathered together for that purpose.

And if the fly should steal away from them a [tiny] thing, they could not recover it from him.

Weak are the pursuer and pursued.

****۞****

(- 7 : 28)

And when they commit an immorality, they say, "We found our fathers doing it, and God

has ordered us to do it." Say, "Indeed, God

does not order immorality.

Do you say about God that which you do

not know?"

****

(- 9 : 24)

Say, [O Prophet],

"If your fathers, your sons, your brothers, your wives, your relatives, wealth which you have obtained, commerce wherein you fear decline, and dwellings with which you are pleased are more beloved to you than God and His Messenger and striving in His cause, then wait until God executes His command.

And God does not guide the defiantly

disobedient people."

(- 11 : 109)

So do not be in doubt, [O Prophet], as to what these [polytheists] are worshipping.

They worship not except as their fathers worshipped before.

And indeed, We will give them their share ---undiminished.

The Challenge of Satan---

Followers and Friends Of Satan

****

Publicizing Charity for Fame:

And (also) those who spend of their substance to be seen of men, and believe not in Allah and the Last Day [they are the friends of Shaitan (Satan)], and whoever takes Shaitan (Satan) as an intimate; then what a dreadful intimate he has! (4:38)

****

Party of Shaitan -Satan:_

Shaitan (Satan) has overtaken them. So he has made them forget the remembrance of Allah.

They are the party of Shaitan (Satan). Verily, it is the party of Shaitan (Satan) that will be the losers! (58:19)

****

The Chief Deceiver (Satan)

Surely, Shaitan (Satan) is an enemy to you, so take (treat) him as an enemy. He only invites his Hizb (followers) that they may become the dwellers of the blazing Fire. (35:6)

O mankind! Verily, the Promise of Allah is true.

So let not this present life deceive you, and let not the chief deceiver (Satan) deceive you about Allah. (35:5)

****

[Chapter 2]

267. O you who believe! Give of the good things you have earned, and from what We have produced for you from the earth.

And do not pick the inferior things to give away, when you yourselves would not accept it except with eyes closed. And know that God is Sufficient and Praiseworthy.

268. Satan promises you poverty, and urges you to immorality;

But God promises you forgiveness from Himself, and grace. God is Embracing and Knowing.

269. He(God) gives wisdom to whomever He wills.

Whoever is given wisdom has been given much good.

But none pays heed except those with insight.

****

.(- 7 : 16)

[Satan] said, (disclosed his intent Before GOD ....) "Because

You have put me in error, I will surely sit in wait for them (

the Progeny of Adam.a.s.)on Your straight path.

The Guile of Satan

See you not that We--(God) have sent the Shayatin (devils)

against the disbelievers to push them to do evil. (19:83)

****

Then the Shaitan (Satan) made them(Adam and Havva .a.s.)

slip therefrom (the Paradise), and got them out from that

in which(Paradise) they were...

(God) -We said: "Get you down, all, with enmity between

yourselves.

On earth will be a dwelling place for you and an enjoyment

for a time." (2:36)

****

[Chapter 7]

11. We--(god) created you, then We shaped you, then We said to the angels, "Bow down before Adam;" so they bowed down, except for Satan; he was not of those who bowed down.

+

12. He (god)said, "What prevented you from bowing down when I have commanded you?"

He,(Satan arrogantly) said, "I am better than he; You created me from fire, and You created him from mud."

+

13. He (god)said, "Get down from it! It is not for you to act arrogantly in it. Get out! You are one of the lowly!"

+

(Iblis--Satan) said: "Allow me respite till the Day they are raised up

(i.e. the Day of Resurrection)." (7:14)

+

15. He (god)said, "You are of those given respite."

+

16. He (Satan) said, "Because you have lured me, I will

waylay them

(the Progeny of Adam.a.s.)on Your straight path.

+

(Satan continued...)17. Then I will come at them(the

Progeny of Adam.a.s.) from before them, and from behind

them, and from their right, and from their left; and you will

not find most of (the Progeny of Adam.a.s.)them

appreciative."

+

18. He (God)said, "Get out of it

,(Heaven) despised and vanquished.

Whoever among them (the Progeny of Adam.a.s.)follows

you—I will fill up Hell with you all.

******

Shaitan (Satan) threatens you with poverty and orders you

to commit Fahsha

(Evil deeds, Drinking Alcohol ,Gambling ,Killing ,Robbery ,illegal Sex,Homosex , Abortions ,and Various sins etc.);

Whereas Allah promises you Forgiveness from Himself and Bounties also, and Allah is All-Sufficient for His creatures' needs, All-Knower. (2:268)

****

Have you seen those (hyprocrites) who claim that they believe in that which has been sent down to you, and that which was sent down before you, and they wish to go for judgement (in their disputes) to the Taghut (false judges, etc.) while they have been ordered to reject them.

But Shaitan (Satan) wishes to lead them far astray. (4:60)

****

Those who believe, strive in the Cause of Allah, and those who disbelieve, strive in the cause of Taghut (Satan, etc.).

So(you Believer of God)strive hard against the

friends of Shaitan (Satan); Ever feeble indeed is the plot of Shaitan (Satan). (4:76)

****

Shaitan (Satan) wants only to excite enmity and hatred between you with intoxicants (alcoholic drinks) and gambling, and hinder you from the remembrance of Allah and from As-Salat (the Salute-prayer).

So, will you not then abstain?

(5:91)

+

Le Diable ne veut que jeter parmi vous, à travers le vin et le jeu de hasard, l'inimitié et la haine, et vous détourner d'invoquer Allah et de la Salât. Allez-vous donc y mettre fin?

(5:91)

(-French -)

****

And remember Our slave Ayub (Job), when he invoked his

Lord (saying): "Verily! Shaitan (Satan) has touched me with distress (by losing my health) and torment (by losing my wealth)! (38:41)

****

And be not like those who forgot Allah (i.e. became disobedient to Allah) and He caused them to forget their ownselves,

(God let them forget doing of the righteous deeds).

Those are the Fasiqun (rebellious, disobedient to Allah).

(59:19)

****

But they have attributed to God partners - the jinn, while He has created them -

and they have fabricated for Him sons and daughters.

Exalted is He and high above what they describe(with abomination)

(- 6 : 100)

****

(- 37 : 35)

Indeed they, when it (is)/was said to them, "There is no deity but God," (are)/were arrogant

****

(- 16 : 58)

And when one of them is informed of [the birth of] a female, his face becomes dark, and he suppresses grief.

****

(- 16 : 59)

He hides himself from the people because of the ill of which he has been informed. Should he keep it in humiliation or bury it in the ground? Unquestionably, evil is what they decide.

******

(- 37 : 36)

And were saying, "Are we to leave our gods for a mad poet?"

******

.(- 37 : 152)

" God has begotten," and indeed, they are liars.

****

(- 37 : 153)

Has GoD chosen daughters over sons?

****

And exalted be the Majesty of our Lord, He has taken neither a wife, nor a son (or offspring or children). (72:3)

****

.(- 6 : 101)

HE is -

The Originator of the Heavens and the Earth—

How can HE have a Son when

He never had a Companion?

HE created all Things, and

HE has knowledge of all Things.

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

****◯****

And (remember) the Day when the Zalim (wrong-doer, oppressor, polytheist, etc.) will bite at his hands, he will say: "Oh! Would that I had taken a path with the Messenger (25:27)++++

He(Shaitan - Satan) indeed led me astray from the Reminder (this Quran) after it had come to me. And Shaitan (Satan) is ever a deserter to man in the hour of need. (25:29)++++

And the Messenger (the Prophet) will say: "O my Lord! Verily, my people deserted this Scripture (neither listened to it, nor acted on its laws and orders). (25:30)

═══════ ✥.❖.✥ ═══════

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Sixty-second

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

◇☆★☆★☆★☆◆
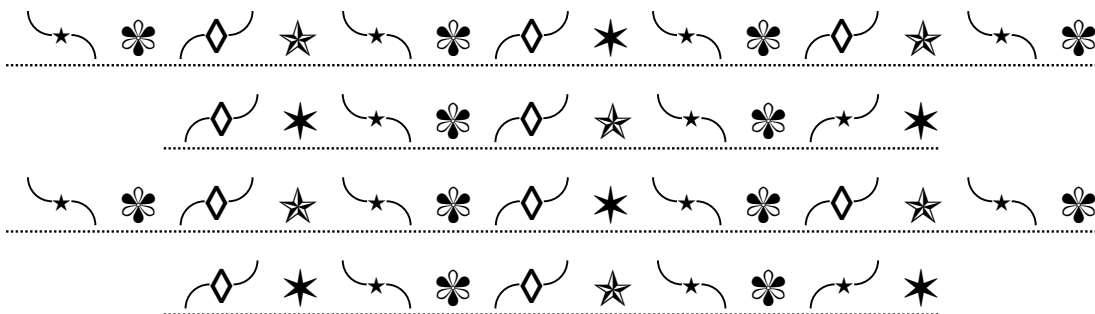
Thus SpoKe Allaahu-S.W.T.

{{{ And surely,

We have created many of the Jinns

and Mankind for Hell. }}}

Till, (The Hellbound Sinners) when they, reach it (Hell-fire), their hearing (ears) and their eyes, and their skins will testify against them as to what they used to do. (41:20)

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Sixty-third

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

And you have not been hiding against yourselves, lest your ears, and your eyes, and your skins testify against you,

But , you thought that Allah knew not much of what you were doing. (41:22)

++++

And that thought of yours which you thought about your Lord,

has brought you to destruction,

and you have become (this Day) of those utterly lost!

(41:23)

++++

And We have assigned them (devils) intimate companions (in this world),

who have made fair-seeming to them, what was before them (evil deeds which they were doing in the present worldly life and disbelief in the Reckoning and the Resurrection, etc.)

and

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Sixty-fourth

what was behind them (denial of the matters in the coming life of the Hereafter as regards punishment or reward, etc.).

And the Word (i.e. the torment) is justified against them as it was justified against those who were among the previous generations of jinns and men that had passed away before them.

Indeed they (all) were the losers. (41:25)

********.

No (Wretched)Person Burdened

(with his sins)

Can Carry Other's Burden

(sins)....

[Chapter 53]

38. That no soul bears the burdens of another soul.

(- 53 : 39)

39. And that the human being attains only what he strives

for.

****

So be not in doubt (Oh Prophet !) as to what these (pagans

and polytheists) men worship.

They worship nothing but what their fathers worshipped

before (them).

And verily, We shall repay them in full their portion without

diminution. (11:109)

+++

And verily, to each of them your Lord will repay their works

in full.

Surely, He is All-Aware of what they do. (11:111)

+++

Except him on whom your Lord has bestowed His Mercy

(the follower of truth - Monotheism- the Unitarians)

and for that(Hell---) did He create them.**

And the Word of your Lord has been fulfilled (i.e. His

Saying):

"Surely, **I shall fill Hell with jinns and men all together.**" (11:119)

******

And surely, We have created many of the jinns and mankind for Hell.

They have hearts wherewith they understand not,

they have eyes wherewith they see not,

and they have ears wherewith they hear not (the truth).

They are like cattle,

Nay , even more astray;

Those! They are the heedless ones. (7:179)

******

And among them is he who says:"Grant me leave (to be exempted) and put me not into trial." Surely, they have fallen into trial.

And verily, Hell is surrounding the

disbelievers. (9:49)

****

On the Day when it comes, no person shall speak except by His (Allah's) Leave. Some among them will be wretched and (others) blessed. (11:105)

+++

As for those who are wretched, they will be in the Fire, sighing in a high and low tone. (11:106)

+++

And those who are blessed, they will be in Paradise, abiding therein for all the time that the heavens and the earth endure, except as your Lord will, a gift without an end. (11:108)

Some Heavenly Commands :

[Chapter 2]

256. There shall be no compulsion in religion;

The right way has become distinct from the wrong way.

Whoever renounces evil and believes in God has grasped the most trustworthy handle; which does not break.

God is Hearing and Knowing.

****

257. God is the Lord of those who believe; He brings

them out of darkness and into light.

As for those who disbelieve, their lords are the evil ones;

They lead them out of light and into the _Abyss of darkness—These are the inmates of the Fire, in which they will abide forever.

****

And this is a blessed Book (the Scripture) ,--which We have sent down,

so follow it and fear Allah

(i.e. do not disobey His Orders),

that you may receive mercy

(i.e. saved from the torment of Hell). (6:155)

Translation By Hilali

****

[Chapter 3]

138. This is a proclamation to humanity, and guidance, and advice for the righteous.

139. And do not waver, nor feel remorse. You are the superior ones, if you are believers.

****

If you lend to Allah a goodly loan (i.e. spend in Allah's Cause) He will double it for you, and will forgive you.

And Allah is Most Ready to appreciate and to reward, Most Forbearing, (64:17)

****

41. Those who, when We empower them in the land, observe the prayer, and give regular charity, and command what is right, and forbid what is wrong. To God belongs the outcome of events.

****

Say (Oh Prophet !) I will recite what your Lord has prohibited you from:

Join not anything in worship with Him;

Be good and dutiful to your parents;

kill not your children because of poverty -

We provide sustenance for you and for them;

Come not near to Al-Fawahish (shameful sins,

OBSCENITY,illegal sex , etc.)

whether committed openly or secretly, and kill not

anyone whom Allah has forbidden,

except for a just cause (according to GOD,'s law).

This He has commanded you that you may

understand. (6:151)

Translation By Hilali

****

And come not near to the orphan's property,

except to improve it, until he (or she) attains

the age of full strength; and give full measure

and full weight with justice.

We burden not any person, but that which he

can bear.

And whenever you give your word (i.e. judge between men or give evidence, etc.), say the truth even if a near relative is concerned, and fulfill the Covenant of Allah,

This He commands you, that you may remember. (6:152)

Translation By Hilali

****

And verily, this (i.e. Allah's Commandments mentioned in the above two Verses 151 and 152) is my Straight Path,

So follow it, and follow not (other) paths, for they will separate you away from His Path.

This He has ordained for you that you may become Al-Muttaqun (the pious - see Chapter 2:COW .Verse.2:). (6:153)

Translation By Hilali

Good days and Bad days are a Test from GOD

[Chapter 3]140. If a wound afflicts you, a similar wound has afflicted the others. Such days We alternate between the people, that God may know those who believe, and take martyrs from among you. God does not love the evildoers.

.+++

141. So that God may prove those who believe, and eliminate the disbelievers.

Many Generations Have Preceded Us .

2:137. Many societies have passed away before you. So travel the earth and note the fate of the deniers.

2:138. This is a proclamation to humanity, and guidance, and advice for the righteous.

[2:134] That was a community that has passed;

For them is what they have earned, and

For you is what you have earned; and

You will not be questioned about what they used to do.

2:83. We made a covenant with the Children of Israaeel:

"Worship none but God; and

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

Be good to Parents, and Relatives, and

Orphans, and the Needy;

and speak nicely to people; and Pray

regularly, and

give Alms."

Then you turned away, except for a few of you,

recanting.

2:84. And We made a covenant with you:

"You shall not shed the blood of your own,

nor shall you evict your own

(people)from your ,(their)homes." You agreed,

and were all witnesses.

2:85. But here you are, killing your own,(people)

and expelling a group of your own

(people)from their homes—

conspiring against them in wrongdoing and

hostility.

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Seventy-sixth

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

And if they (people)come to you as captives, you ransom them, although it was forbidden to you. Is it that you believe in part of the Scripture, and disbelieve in part?

What is the reward for those among you who do that but humiliation in this life? And on the Day of Resurrection, they will be assigned to the most severe torment. God is not unaware of what you do.
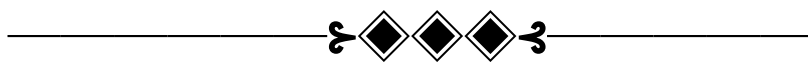
जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Seventy-seventh
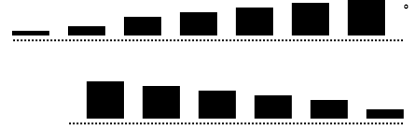
The Hypocrites----

(The Hypocrite Men and The Hypocrite Jinn)

[9:67] The hypocrite men and hypocrite women are of one another. They advocate evil, and prohibit righteousness, and withhold their hands. They forgot God, so He forgot them. The hypocrites are the sinners.
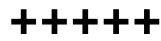
68. God has promised the hypocrite men and hypocrite

women, and the disbelievers, the Fire of Hell, abiding

therein forever. It is their due. And God has cursed them.

They will have a lasting punishment.

+++++

69. Like those before you.

They were more powerful than you, and had more wealth

and children.

They enjoyed their share, and you enjoyed your share, as

those before you enjoyed their share. And you indulged, as

they indulged. It is they whose works will fail in this world

and in the Hereafter. It is they who are the losers.

27:50. They planned a plan, and We planned a plan, but they

did not notice.

+++++

51. So note the outcome of their planning; We destroyed

them and their people, altogether.

+++++

52. Here are their homes, in ruins, on account of their iniquities. Surely in this is a sign for people who know.

+++++

53. And We saved those who believed and were pious.

22:40. Those who were unjustly evicted from their homes, merely for saying, "Our Lord is God." Were it not that God repels people by means of others: monasteries, churches, synagogues, and mosques—where the name of God is mentioned much—would have been demolished. God supports whoever supports Him. God is Strong and Mighty.

+++++

22:41. Those who, when We empower them in the land, observe the prayer, and give regular charity, and command what is right, and forbid what is wrong. To God belongs the outcome of events.

+++++

22:42. If they deny you—before them the people of Noah, and Aad, and Thamood also denied.

+++++

22:43. And the people of Abraham, and the people of Lot.

+++++

22:44. And the inhabitants of Median. And Moses was denied. Then I reprieved those who disbelieved, but then I seized them. So how was My rejection?

+++++

22:45. How many a town have We destroyed while it was doing wrong? They lie in ruins; with stilled wells, and lofty mansions.

+++++

22:46. Have they not journeyed in the land, and had minds to reason with, or ears to listen with? It is not the eyes that go blind, but it is the hearts, within the chests, that go blind.

****

[3:137] Many societies have passed away before you. So travel the earth and note the fate of

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

the deniers.

****

[27:69] Say, travel through the earth, and observe the fate of the guilty."

****

[16:36] To every community We sent a messenger: "Worship God, and avoid idolatry." Some of them God guided, while others deserved misguidance. So travel through the earth, and see what the fate of the deniers

****

And if you could see when the angels take away the souls of those who disbelieve (at death), they smite their faces and their backs, (saying): "Taste the punishment of the blazing Fire." (8:50)

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Eighty-second

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

All Human Beings are the Descendants of Adam , (a.s)

He -[Shytan] -- said, "Do You see this one (Adam)(A.S.) whom You have honored more than me?
If You reprieve me until the Day of Resurrection, I will surely destroy (Adam's)(A.S.) his descendants (under my sway), except for a few."

17 - 62

****

۩۩۩۩۩And [mention] when your Lord took from the children of Adam - from their loins - their descendants and made them testify of themselves, [saying to them],

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Eighty-third

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

"Am I not your Lord?"

They said, "Yes, we have testified." [This] - lest you should say on the day of Resurrection, "Indeed, we were of this unaware."⇮⇮⇮⇮⇮

7 - 172

****

⇮⇮⇮⇮⇮Descendants, some of them from others. And Allah is Hearing and Knowing.⇮⇮⇮⇮⇮

3 - 34

The last prophet is the First to Abolish Slavery and Aparthied ages Ago...But people do not acknowledge the truth.... ....Alas ! Apartheid is still alive...And going strong .... in the minds of some super racists even in this most (so called) civilized world ....⇮⇮⇮⇮⇮

⇮⇮⇮⇮⇮O mankind! We have created you from a male and a female, and made you into nations

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Eighty-fourth

and tribes, that you may know one another.

Verily, the most honourable of you with Allah

is that (believer) who has At-Taqwa [i.e. one of

the Muttaqun (pious - see V. 2:2). Verily, Allah

is All-Knowing, All-Aware. (49:13)

****

O descendants of those We carried [in

the ship] with Noah. Indeed, he was a grateful

servant.

17 - 3

******

And We made his descendants those

remaining [on the earth]

37 -77

******

And a sign for them is that We carried their

forefathers in a laden ship.

36 - 41

******

And your Lord is the Free of need, the possessor of mercy. If He wills, he can do away with you and give succession after you to whomever He wills, just as He produced you from the descendants of another people.

6 - 133

See you not that Allah sends down water (rain) from the sky, and We produce therewith fruits of varying colours, and among the mountains are streaks white and red, of varying colours and (others) very black.

(35:27)

And of men and AdDawab (moving living creatures, beasts, etc.), and cattle, in like manner of various colours. It is only those who have knowledge among His slaves that fear Allah. Verily, Allah is AllMighty,

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

OftForgiving. (35:28)

...Then where is the scope for Superiority of White color over the Black /Brown /and other hues / tinges orThe Greko-Roman /Anglo/Saxon/Aryan/ races over the Negroid/ Dravidian /Mongoloid/ races.,etc..

......it is clear that the devil has kept his word to God , and succeeded in its mission in dividing and humiliating the humanity........the children of Adam.a.s.

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Eighty-seventh

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

●Blasphemy ,●●Sacrilege ,

and ●●●Abomination .

❁*❁*❁

(.......While many ascribe to God ,their own

(Human) features like body ,head ,eyes ,hands

legs and even sexlife ,wife ,children, etc...,Some

even go further and claim God's lineage purely for

worldly gains and Supremacy over the Rest .

.....Some others claim that they are God's Children

treading on the Earth to purify the sinners ....AND

TO PUNISH THE WICKED...I.E.THOSE WHO ARE

OPPOSED TO THEM IN THEIR PURSUITS.

And the tribes of living godmen are Flourishing

at the cost of the ignorantly Gullible..

:

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Eighty-eighth

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

The Science has been made Subservient to Superstition , ..ElseWhere Superstition is institutionalized...To fortify their hold on the economy and ---the gullible, receptive --captive ignorant populace ...All for Temporal Gains.... . .Long ago Some man of Brains Prophesised --that ". If any One believes in ABSURDiTiiES , He Will commit ATROCiTiES.. "------)

And they (Blasphemous Pagans) say: Allah has begotten a son (children or offspring).

Glory be to HiM,-(Exalted be HE above all that they associate with HiM).

Nay, to HiM belongs all that is in the heavens and on earth, and all surrender with obedience (in worship) to HiM. (2:116)

Yet, they join the jinns as partners in worship with Allah, though HE has created them (the jinns),

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Eighty-ninth

...and they attribute falsely without knowledge sons and daughters to HiM.

Be HE Glorified and Exalted above (all) that they attribute to HiM. (6:100)

HE is the Originator of the heavens and the earth. How can HE have children when HE has no wife? HE created all things and HE is the All-Knower of everything. (6:101)

And the Bany israael say: 'Uzair (Ezra) is the son of Allah, and the Bany Nasaaraa say: Messiah is the son of Allah.

That is a saying from their mouths.

They imitate the saying of the disbelievers of old.

Allah's Curse be on them, how they are deluded away from the truth! (9:30)

And (both) the Bany israael and the Bany Nasaaraa-- say: "We are the children ....of Allah and

HiS loved ones." Say:

"Why then does HE punish you for your sins?"

Nay, you are but human beings, of those ...HE has created,

HE forgives whom HE wills and HE ....punishes whom HE wills.

And to Allah belongs the dominion of the ....heavens and the earth and all that is between them,

....and to HiM is the return (of all). (5:18)

And they (bany israael) say, "The Fire (i.e. Hell-fire on the Day of Resurrection) shall not touch us but for a few numbered days." Say

"Have you taken a covenant from Allah, so that Allah will not break HiS Covenant?

Or is it that you say of Allah what you know not?"

(2:80)

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

Then whoever disputes with you concerning him ['Iesa (Jesus)] after (all this) knowledge that has come to you,i.e

That 'Iesa (Jesus)-being a slave of Allah, and having no share in Divinity)

say: "Come, let us call our sons and your sons, our women and your women, ourselves and yourselves - then we pray and invoke (sincerely) the Curse of Allah upon those who lie."   (3:61)
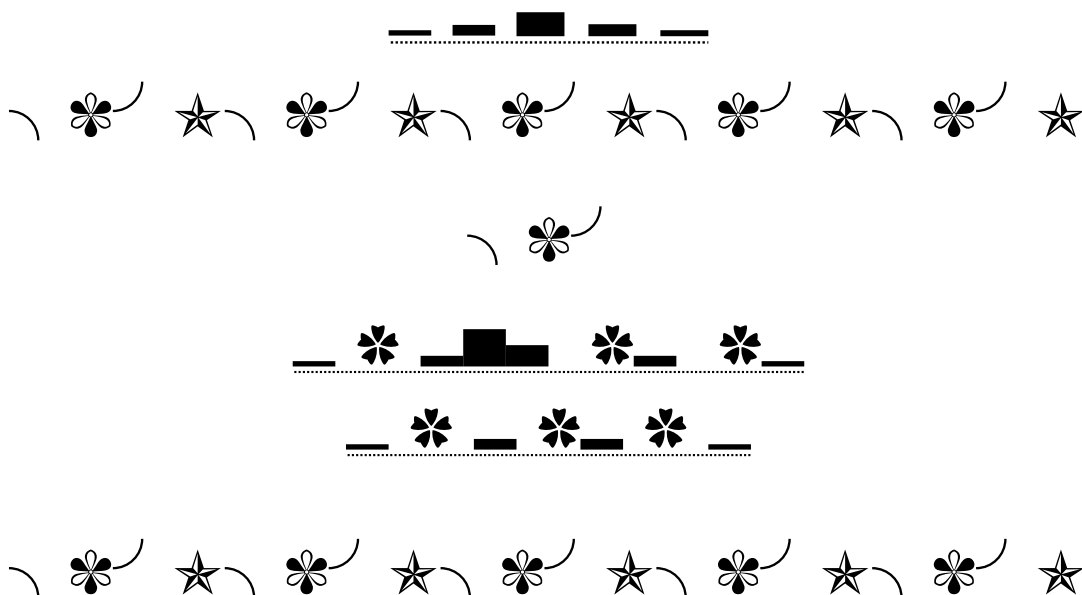
जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Ninety-second

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

Oh! God-Fearing Slaves....

Invite (mankind,) to the Way of your Lord

(i.e. Monotheism) with wisdom

(i.e. with the Divine Inspiration and the Scriptures)

and fair preaching,

and argue with them in a way that is better.+++

+++Truly, your Lord knows best

who has gone astray from HiS Path,

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Ninety-third

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

... and HE is

...the Best Aware of those who are guided. (16:125)

And your Lord said: "Invoke Me, [i.e. believe in My Oneness (Monotheism)] (and ask Me for anything) I will respond to your (invocation). Verily! Those who scorn My worship [i.e. do not invoke Me, and do not believe in My Oneness, (Monotheism)] they will surely enter Hell in humiliation!" (40:60)

_ ✽ _█▬ ✽▬ ✽_

_ ✽ ▬ ✽▬ ✽ _
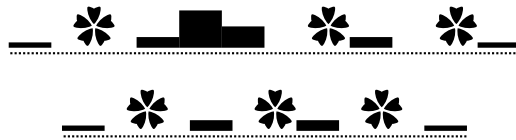
۞۞۞۞. - The Death.۞۞۞۞

Instead of submitting to the will of GoD ,it's Comman that homo sapiens takes refuge in a medicalman to avoid the inescapable reality...what a

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Ninety-fourth

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

tragedy...?...what a negative attitude

towards the destiny..

"जातस्य मरणम् ध्रुवम्"!!!పుట్టినవాడు గిట్టక తప్పదే!!!

.....Death 'which ˌMan tries to avoid at any

Cost....***

(Birth)----From the earth We created you,

(Death)---and into it-- (the earth)--We will

return you,

(Resurrection)--and from it--

(the earth)--

We will extract you another time..

(- 20 : 55)

****

(Death)--

Wherever you may be, death will

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Ninety-fifth

overtake you,

even if you should be within towers of lofty construction.

But if good comes to them, they say, "This is from Allah ";

and

if evil befalls them, they say,

"This is from you."

Say, "All [things] are from Allah."

So what is [the matter] with those people

that they can hardly understand any

statement?

4 -78.

****

(Death)-

-Say, "Indeed, the death from which you

flee..

indeed, it will meet you.

Then you will be returned to the Knower of

the unseen and the witnessed,

and He will inform you about what you used

to do."

62 - 8..

****

(Death)--Every soul will taste death,

and you will only be given your [full]

compensation on the Day of

Resurrection.

So he who is drawn away from the Fire and

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

admitted to Paradise

has attained [his desire].

And what is the life of this world except

the enjoyment of delusion.

3 - 185.

****

(Death)--

Indeed, Allah [alone]

has knowledge of the Hour

and sends down the rain

and knows what is in the wombs.

And no soul perceives

what it will earn tomorrow,

and no soul perceives

in what land it will die.

Indeed, Allah is Knowing and Acquainted.

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Ninety-eighth

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

31 - 34.

****

(Death)--

" And if you could but see when the wrongdoers are in the overwhelming pangs of death while the angels extend their hands, [saying], "Discharge your souls! Today you will be awarded the punishment of [extreme] humiliation for what you used to say against Allah other than the truth and [that] you were, toward His verses, being arrogant."(6:93)

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....Ninety-ninth

The Disposition of Majority of Human Beings
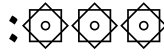
[Chapter](- 5 : 103)

Allah has not appointed [such innovations as] bahirah or sa'ibah or wasilah or ham. But those who disbelieve invent falsehood about Allah, and most of them do not reason.

[Chapter 53]

20. And Manat, the third one, the other?

21. Are you to have the males, and He(God) should get the females?

22. What a bizarre distribution.(conceived by you)

23. These (idols)are nothing but names, which you have devised------you and your ancestors,---- for which God sent down no authority.

They follow nothing but assumptions, and what their ego desires, even though guidance has come to them from their Lord.

24. Or is the human being to have whatever he desires?

25. To God belong the Last and the First.

[Chapter 53]

26. How many an angel is there in the heavens whose intercession avails nothing, except that, God gives permission to whomever He wills, and approves?

[53:27] Those who do not believe in the Hereafter give the angels the names of females.

[53:28] They have no knowledge of that. They only follow assumptions, and assumptions are no

substitute for the truth.

****

(- 6 : 111)

And even if We had sent down to them the angels [with the message] and the dead spoke to them [of it] and We gathered together every [created] thing in front of them, they would not believe unless Allah should will. But most of them, [of that], are ignorant.

*****◯*****

(- 7 : 17)

Then I will come to them from before them and from behind them and on their right and on their left, and You will not find most of them grateful [to You]."

(- 10 : 36)

And most of them follow not except assumption.

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

Indeed, assumption avails not against the truth at all. Indeed, Allah is Knowing of what they do.

__✻-✻-✻-✻-✻-✻-✻-✻

Losers on the Day of the Judgement

****

And surely, We have created many of the jinns and mankind for Hell.

They have hearts wherewith they understand not, they have eyes wherewith they see not, and they have ears wherewith they hear not (the truth).

They are like cattle,

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....One hundred third

nay even more astray;

those! They are the heedless ones. (7:179)

******

(O!You man),

6. Did We not make the earth a cradle?

7. And the mountains pegs?

8. And created you in pairs?

9. And made your sleep for rest?

10. And made the night a cover?

11. And made the day for livelihood?

12. And built above you seven strong ones(the Skies)?

13. And placed a blazing lamp(the Sun)?

14. And brought down from the clouds pouring water?

15. To produce with it grains and vegetation?

16. And luxuriant gardens? --

((Chapter 78))

****×*×*×*×*****

31. And from it, He produced its water and its pasture.

32. And the mountains, He anchored.

33. A source of enjoyment for you and for your animals.

34. But when the Great Cataclysm arrives.

35. A Day when man will remember what he has endeavored.

36. And Hell will be displayed to whoever sees.

37. As for him who was defiant.

38. And preferred the life of this world.

39. Verily Hell-fire will be(Sinner's) his abode-

((Chapter 79))

****×*×*×*×*****

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

17. The Day of Sorting (Winners / Sinners) has been appointed.

18. The Day when the Trumpet is blown, and you will come in droves.

19. And the sky is opened up, and becomes gateways.

20. And the mountains are set in motion, and become a mirage.

21. Hell is lying in ambush.22. For the oppressors, a destination.

23. Where they will remain for eons.

24. They will taste therein neither coolness, nor drink.

25. Except boiling water, and freezing hail.

26. A fittin requital , for(which)they were not anticipating any reckoning.

28. And they denied Our signs utterly.

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....One hundred sixth

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

29. But We have enumerated everything in writing.

30. So taste! We will increase you only in suffering.

40. We have warned you of a near punishment—the Day when a person will observe what his hands have produced, and the faithless will say, "O, I wish I were dust."

----[Chapter 78]

******×*×*×*×*****

[Chapter 44]

43. The Tree of Bitterness.

44. The food of the sinner.

45. Like molten lead; boiling inside the bellies.

46. Like the boiling of seething water.

47. Seize him and drag him into the midst of Hell!

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....One hundred seventh

48. Then pour over his head the suffering of the Inferno!

49. Taste! You who were powerful and noble.

******×*×*×*×*******

1. By those (Angels) who snatch violently.

2. And those (Angels) who remove gently.

3. And those (Angels) who glide smoothly.

4. And those (Steeds) who race swiftly.

5. And those (Angels) who regulate events.

6. On the (Dooms-)Day ,when the Earth quakes.

7. And is followed by the Successive. (after-shock) quake.

8. Hearts, on that (Dooms-)Day, will be pounding.

9. Their sights downcast.

10. They say, "Are we to be restored to the

original condition?

11. When we have become hollow bones?"

12. They say, "This is a losing proposition."

13. But it will be only a single nudge.

14. And they will be awake.

27.Are you more difficult to create, or the heaven--

28. He raised its masses, and proportioned it.

29. And its night , He covered with darkness, and brought out its daylight.

30. And the earth after that He spread. the shelter.

42. They ask you about the Hour, "When will it take place?"

43. You have no knowledge of it.

44. To your Lord is its finality.

45. (O!Prophet)You are just a warner for whoever dreads it.

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है, Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

46. On the Day when they witness it—as though they only stayed an evening, or its morning.

-[Chapter 79]

****×*×*×*×*****

⇮⇮⇮⇮⇮⇮⇮⇮⇮⇮۞۞۞۞۞۞۞⇮⇮⇮⇮⇮⇮⇮⇮⇮⇮⇮

❈-❈-❈-❈-❈-❈-❈-❈

Winners on the Day of Judgement

31. But for the righteous there is triumph.

32. Gardens and vineyards.

33. And splendid spouses, well matched.

34. And delicious drinks.

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....One hundred tenth

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

35. They will hear therein neither gossip, nor lies.

36. A reward from your Lord, a fitting gift.

37. Lord of the heavens and the earth, and everything between them—The Most Merciful—none can argue with Him.

38. On the Day when the Spirit and the angels stand in rows. They will not speak, unless it be one permitted by the Most Merciful, and he will say what is right.

39. That is the Day of Reality. So whoever wills, let him take a way back to his Lord.

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....One hundred eleventh

-[Chapter 78]

****

40. But as for him who feared the Standing of his Lord, and restrained the self from desires.

41. Then Paradise is the shelter.

-[Chapter 79]

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

Admonishion and Warnings of Severe Punishments for Sinners and Good News of Eternal Rewards to the Righteous people
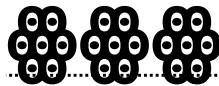
Big-bang Explosion ....Who has caused it ?????

Have not those who disbelieve known that the heavens and the earth were joined together as one united piece, then We parted them?

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....One hundred thirteenth

And We have made from water every living thing.

Will they not then believe? (21:30)

(Scientists have recently concluded that the Earth and the Sky , which were earlier One entity ,were subsequently broken apart by a Big Bang ....Who has caused it ?????)

Earth is shrinking

See they not that We gradually reduce the land ,(...by Rising Sea Waters ,Erosion of ground ,Tsunamis, Earthquakes Avalanches ,Tornadoes ,Typhoons,and many unknown phenomenon ...) from its outlying borders.

And Allah judges, there is none to put back His Judgement and He is Swift at reckoning. (13:41)

****

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है, Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

And you cannot escape in the earth or in the heaven. And besides Allah you have neither any Wali (Protector or Guardian) nor any Helper.

(29:22)

Wealth and Family

And you love wealth with much love!

(89:20)et aimez les richesses d'un amour sans bornes. (89:20)

+++++

Wealth and children are the adornment of the life of this world. But the good righteous deeds (prayers, deeds of God's obedience, good and nice talk, remembrance of God with glorification, praises and thanks, etc.), that last, are better with your Lord for rewards and better in respect of hope. (18:46)Les biens et les enfants sont l'ornement de la vie de ce monde. Cependant, les bonnes œuvres qui

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....One hundred fifteenth

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है, Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

persistent ont auprès de ton Seigneur une meilleure récompense et [suscitent] une belle espérance. (18:46)

The Day whereon neither wealth nor sons will avail, (26:88)le jour où ni les biens, ni les enfants ne seront d'aucune utilité, (26:88)

****

God's Final warning:

۩۩۩۩۩۩۩۩۩۩۞۞۞۞۞۞۞۩۩۩۩۩۩۩۩۩۩۩۩۩(Oh! People)......

O you who believe! Enter perfectly in Submission (by obeying all the rules and regulations of the unitarian religion) and follow not the footsteps of

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....One hundred sixteenth

Shaitan (Satan). Verily! He is to you a plain enemy.

(2:208)

++++++

(Oh! People)......

: "O 'Ibadi (My slaves) who have transgressed against themselves (by committing evil deeds and sins)! Despair not of the Mercy of Allah, verily Allah forgives all sins. Truly, He is Oft-Forgiving, Most Merciful. (39:53)

+++++

(Oh! People)......And turn in repentance and in obedience with true Faith (Unitarian Monotheism) to your Lord and submit to Him, (in Complete Submission to God), before the torment comes upon you, then you will not be helped.

(39:54)+++++

(Oh! People)......And follow the best of that which is

sent down to you from your Lord (i.e. this Scripture, do what it orders you to do and keep away from what it forbids), before the torment comes on you suddenly while you perceive not! (39:55)

+++++

(Oh! People)......And turn in repentance and in obedience with true Faith (Monotheism) to your Lord and submit to Him, (in Islam), before the torment comes upon you, then you will not be helped. (39:54)+++++

(Oh! People)......And follow the best of that which is sent down to you from your Lord (i.e. this Book, do what it orders you to do and keep away from what it forbids), before the torment comes on you suddenly while you perceive not! (39:55)

+++++

Say (Oh! Prophet): "Verily, I am commanded to

worship Allah (Alone) by obeying Him and doing religious deeds sincerely for Allah's sake only and not to show off, and not to set up rivals with Him in worship; (39:11)

+++++

Say (Oh! Prophet): "I have been forbidden to worship those whom you worship besides Allah, since there have come to me evidences from my Lord, and I am commanded to submit (in Islam) to the Lord of the 'Alamin (mankind, jinns and all that exists). (40:66)

****

And the Trumpet will be blown, and all who are in the heavens and all who are on the earth will swoon away, except him whom Allah will. Then it will blown a second time and behold,

they all will be standing, looking on (waiting). (39:68)

+++×+++

And each person will be paid in full of what he did; and (God)He is Best Aware of what they do. (39:70)

++++++

And those who kept their duty to their Lord will be led to Paradise in groups, till, when they reach it, and its gates will be opened (before their arrival for their reception) and its keepers will say: Salamun 'Alaikum (peace be upon you)! You have done well, so enter here to abide therein." (39:73)

++++++

And those who disbelieved will be driven to Hell in groups, till, when they reach it, the gates thereof will be opened (suddenly like a prison at the arrival of the prisoners).

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

And its keepers will say, "Did not the Messengers come to you from yourselves, reciting to you the Verses of your Lord, and warning you of the Meeting of this Day of yours?

" They will say: "Yes, but the Word of torment has been justified against the disbelievers!" (39:71)

O Allah, verily I am Your servant, the son of Your servant, the son of your maid-servant. My forelock

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....One hundred twenty-first

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

is in Your hands, Your command continuously prevails over me, Your Decree concerning me is just. I beseech You by every one of Your names: those which You use to refer to Yourself, or have revealed in Your book, or have taught to any one of Your creation, or have chosen to keep hidden with You in the unseen, to make the Qur'ān the springtime of my heart, the light of my chest, the dispelling of my grief, and the deportation of my anxiety.....AMEN.
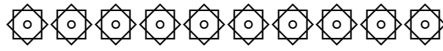
Presented by

KHATiJA BEGUM and m.ZULFEQUAR ALi .

المحتاجان و الفقيران الى ربهما...

خديجة و زوالفقار علي

★★★★★Believers of GOD , please pray for us..and for others.....

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....One hundred twenty-second

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है, Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

దైవవాక్కులు---- ఆణిముత్యాలు ١٤٤٤./٢٠٢٢.

...Our other presentations..

on ARCHIVE.org.books. web site.

Arabic grammar with quranic examples

Mubaadiyyatul Arabiyyah

Jardins du Paradis-(french)

Arabic grammar in Telugu and English

అరబీ నహు,సర్ఫ్-కుర్ఆనీ ఉదాహరణలతో

Al-Qaariah--The Great Calamity....

A'la es en Verdad fuerto poderiso (espanol]

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....One hundred twenty-third

Allahu- They have not configured.........

ఊహలకు అందని దేవుడు మొదటి బాగం.

.....

అరబీ వ్యాకరణం.మునక్కః' తెలుగులో

.....

మనతప్పులూ దైవదండనలూ **Short(1)**

.....

Telugu Meaning And Etiology Of The Word.(1)

.....

తెలుగు **-**అంటే అర్థం ఏమి**?**.తెలుగు మాటలు ,
అరబీబాసలోనూ వున్నాయి-తెలుగు అరబీ పదకోశం.ద్రావిడ,
అరబీబాషా సంబందాలు. **1 Document(5)**

Ayaatul Quraaniyyi li kulli Muslimn wa Muslimatin

آيات القرءانية لكل مسلم و مسلمة **{Arabic}**

God, The Ever Elusive Enigma. Eng 2020mar 19(1)

.....

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

Anglo - Telugu ARABIC Nahu ,

Sarf-Declensions.

.....

Telugu Kabaaer Dandanalu,dualoo.ఘోర నేరాలూ-గొప్ప దండనలూ,దీవెనలూ.

.....

అరబీ ఉఛ్ఛారణా నియమాలు

దేవుడే లేడా**?**

.....

(1)అరబీ గ్రామర్ ,మరియు **(2)**తజ్వీదు **(** تجويد ، نحوఅరబీ పలుకులు.**)**
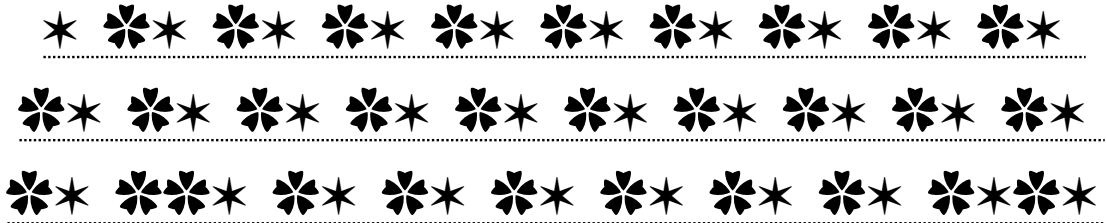
.....

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....One hundred twenty-fifth

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

◇◆◇◆◇◇◆◇◆◇◇◆◇◆◇

దేవుని దొరతనాన్ని తగిన రీతిలో ప్రజలు గుర్తించనే లేదు..

దేవుడు ఒక్కడే- -

దేవుడు మహా శక్తిశాలీ, కరుణామయుడూ ......

.....DTP.... and...Presentaion :by Khatija Begum

and m.Zulfequar Ali ,

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....One hundred twenty-sixth

प्रत्येक व्यक्ति जो कुछ उसने कमाया उसके बदले रेहन (गिरवी) है,
Every soul, for what it has earned, will be retained as mortagazed
প্রত্যেক ব্যক্তি তার কৃতকর্মের জন্য দায়ী;...మనిషి నైజము...74/38

जो लोग ईमान लाए और उनकी सन्तान ने भी ईमान के साथ उसका अनुसरण किया, उनकी सन्तान को भी हम उनसे मिला देंगे, और उनके कर्म में से कुछ भी कम करके उन्हें नहीं देंगे। हर व्यक्ति अपनी कमाई के बदले में बन्धक है......And those who believed and whose descendants followed them in faith - We will join with them their descendants, and We will not deprive them of anything of their deeds. Every person, for what he earned, is retained.....যারা ঈমানদার এবং যাদের সন্তানরা ঈমানে তাদের অনুগামী, আমি তাদেরকে তাদের পিতৃপুরুষদের সাথে মিলিত করে দেব এবং তাদের আমল বিন্দুমাত্রও হ্রাস করব না। প্রত্যেক ব্যক্তি নিজ কৃত কর্মের জন্য দায়ী।...../52/21.మనిషి....One hundred twenty-seventh